



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 490 नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 21, 1986/आश्विन 29, 1908
No. 490 NEW DELHI, TUESDAY, OCT. 21, 1986/ASVINA 29, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

चित्त संचालक

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 1986

सं. 438/86—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 1158 (अ):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनुसार, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और तमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पाद-शुल्क के उद्घरण की बाबत (जिसके अंतर्गत उसका अनुद्घरण है) साधारणतया प्रचलित थी, उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची की, जैसी कि वह 28 फरवरी, 1986 के पूर्व

विद्यमान थी, मव सं. 16 के अंतर्गत आने वाले ट्रैक्टरों के टायरों, ट्यूबों और फ्लैपों तथा अन्य टायरों, ट्यूबों और फ्लैपों पर (जो मोटर यानों के टायरों, ट्यूबों और फ्लैपों से भिन्न हैं), (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) उत्पाद-शुल्क, 8 मई, 1985 को प्रारंभ होने वाली और 10 नवम्बर, 1985 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, अधिसूचना सं. 65/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25 मार्च, 1981 के साथ पठित उक्त धारा 3 के अधीन निम्नतर वर से उद्ग्रहीत किया जा रहा था, यद्यपि उक्त माल, उस अधिसूचना में कुछ शब्द, अंक और अक्षरों के अनवधानता से बने रहने के कारण उच्चतर वर से उत्पाद-शुल्क के लिए अन्यथा दायी हो गया था ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि ट्रैक्टरों के टायरों, ट्यूबों और फ्लैपों तथा अन्य टायरों, ट्यूबों और फ्लैपों (जो मोटरयानों के टायरों, ट्यूबों और फ्लैपों से भिन्न हैं) की बाबत संदेय उत्पाद-शुल्क का उतना भाग, जितना अधिसूचना सं. 65/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 25-3-81 के साथ पठित उक्त अधिनियम के अधीन, उक्त प्रथा के न होने पर, संदेय उत्पाद-शुल्क से अधिक है, उक्त प्रथा के अनुसार, पूर्वोक्त अवधि के लिए संदेय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा ।

[फा. सं. 331/3/86—टी आर मू]

गौतम रे, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st October, 1986

No. 438/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1158(E):—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1911 (1 of 1911), the duty of excise on tyres, tubes and flaps of tractors and other tyres, tubes and flaps (other than for motor vehicles), (hereafter referred to as

the said goods), falling under Item No. 16 of the First Schedule to the said Act, as it existed prior to the 28th February, 1986, was being levied under the said section 3 read with the Notification No. 65/81-Central Excises, dated the 25th March, 1981, at a lower rate, though the said goods had otherwise become liable to duty of excise at a higher rate due to the inadvertent retention of certain words, figures and letters in that notification, during the period commencing on the 8th May, 1985 and ending with the 10th November, 1985;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that so much of that portion of the duty of excise payable in respect of tyres, tubes and flaps of tractors and other tyres, tubes and flaps other than for motor vehicles) as in excess of that payable under the said Act read with Notification No. 65/81-Central Excises, dated 25-3-81, but for the said practice, shall not be required to be paid for the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 331/3/86-TRU]

GAUTAM RAY, Dy. Secy.

